Ques - भारतीय पंचवर्षीय योजना के प्रमुख उद्देश्य क्या है? बारहवीं योजना की व्यूह रचना को स्पष्ट कीजिए।

Ans - **बारहवीं पंचवर्षीय योजना (Twelfth Five year Plan)**

बारहवीं पंचवर्षीय योजना 1 अप्रैल 2012 से प्रारम्भ हुई जो 31 मार्च 2017 तक चली। तीव्र सुस्थिर और अधिक समावेशी विकास को 12वीं पंचवर्षीय योजना का लक्ष्य घोषित करते हुए इसे 11वीं योजना की निरन्तरता में देखा गया। इस आलोक में 12वीं योजना न केवल 11वीं योजना के अधूरे कार्यों को पूरा करने पर बल देती है, बल्कि समावेशी विकास को सुस्थिर और टिकाऊ बनाने की ओर भी बढ़ती है।

इस योजना में समावेशी विकास के निम्नलिखित आयामों पर जोर दिया जाता है —

1, गरीबी निवारण के रूप में समावेशिता — अर्थात् नियोजन का लाभ अत्यन्त पिछड़े वर्गों तक पहुंचाना।

2, वर्ग समानता के रूप में समावेशिता — अर्थात् पुरुषों तथा महिलाओं के बीच भेदभाव समाप्त करना।

3, क्षेत्रीय समानता के रूप में समावेशिता — अर्थात् पिछड़े क्षेत्रों का पता लगाया जाए और उनके विकास के लिए विशिष्ट नीतियां बनाई जाएं।

4, असमानता का तथा समावेशिता — अर्थात् अधिक समान अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है।

5, शासन के रूप में समावेशिता :- अर्थात् अभिशासन जवाबदेही तथा लोगों की भागीदारी पर जोर।

समावेशिता के ऊपर लिखे सभी आयाम महत्वपूर्ण है तथा बारहवीं योजना में इन सभी में सतत प्रगति करने पर जोर दिया गया है।

बारहवीं योजना में संवृद्धि की युक्ति का एक प्रमुख अंग उत्पादकता की वृद्धि है। योजना के अनुसार आने वाले भारत में संवृद्धि के परम्परागत स्रोत (पूंजी का संचयन तथा श्रम की संवृद्धि) काफी नहीं होंगे। इसलिए सभी वर्गों को उत्पादन बढ़ाने ~~[illegible]~~ पर विशेष जोर देना होगा (चाहे यह वर्ग व्यवसायियों का हो, किसानों का हो या फिर सरकार का)।

(P.T.O)

इस योजना के आयोजकों के अनुसार समावेशन उद्देश्य प्राप्त करने में सकल उत्पाद में तेजी से वृद्धि करना आवश्यक है। GDP में वृद्धि का महत्व निम्नलिखित दो बातों से स्पष्ट होता है —

1, सकल घरेलू उत्पाद के तीव्र विकास से कुल आय एवं उत्पादन में काफी विस्तार हो सकता है और यदि विकास प्रक्रिया पर्याप्त रूप से समावेशी है तो हमारी जनता के एक बड़े भाग को रोजगार और आय बढ़ाने के अन्य कार्यकलाप उपलब्ध करवाकर उनके जीवन स्तर में प्रत्यक्ष बढ़ोतरी कर सकता है।

2, तीव्र विकास से और अधिक राजस्व अर्जन हो सकता है जिससे समावेशिता के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का वित्त-करने में मदद मिल सकती है। The End

---

By Dr. S.K. Sharma, Asso. Professor
Dept. of Commerce, R.N.C Pandaul.

Scanned with CamScanner